(ख) यदि हां, तो कितने प्रतिशत स्थान रक्षित हैं और यह नियम कब से लागू है ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). सिर्फ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये जगहें आरक्षित है जो इस प्रकार हैं :—

अनुसूचित जाति :

अखिल भारतीय आधार पर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन या रेलवे सर्विस कमीशनों द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा लेकर भर्ती . १२ $^1/_2$%

अन्य प्रकार से भर्ती अर्थात् स्थानीय या प्रदेशिक आधार पर . १६ $^2/_3$%

अनुसूचित आदिम जाति :

यह आरक्षण २६–१–१९६० से लागू है ५ %

रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था

८७८. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जब से रेलवे में विभागीय भोजन-व्यवस्था आरम्भ हुई है तब से रेलवे को कितना लाभ या हानि हुई;

(ख) इस योजना के अन्तर्गत कितने आदमी रेलवे में नियुक्त किए गये; और

(ग) इन व्यक्तियों के वेतन और वर्दी पर प्रति मास कितना खर्च किया जाता है ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) विभागी खान-पान व्यवस्था सभी रेलों पर १९५५–५६ से शुरू हुई । तब से वह इस व्यवस्था में जितना घाटा रहा वह इस प्रकार है :—

वर्ष	घाटा (हजार रुपयों में)
१९५५–५६ .	. ११,०१
१९५६–५७ .	. १७,५३
१९५७–५८ .	. २१,९८
१९५८–५९ .	. १०,९२
१९५९–६०	३,७८
१९६०–६१ .	४,३५*

*अनुमानित

(ख) और (ग) सूचना मंगायी जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

रेलवे में रूसी ढंग के माल डिब्बे

८७९. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में कितनी रेलवे अपने यहां रूसी ढंग के माल डिब्बों का प्रयोग कर रही हैं; और

(ख) इन की लागत और क्षमता को देखते हुए ये माल डिब्बे उपयोगी सिद्ध हुए हैं या नहीं ।

रेलवे उपमन्त्री (श्री सें० वें० रामस्वामी)

(क) कोई नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

चितरंजन लोको वर्कशाप में इंजनों का उत्पादन

८८०. **श्री अमर सिंह डामर** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चितरंजन लोकोमोटिव वर्कशाप में जब से उसने काम शुरू किया प्रति मास औसतन कितने इंजन बनते हैं; और

(ख) ये इंजन किसी गड़बड़ के बिना कितने समय तक ठीक चलते हैं ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). एक बयान सभा पटल पर रखा गया [**देखिये** परिशिष्ट १८ अनुबन्ध संख्या १०६]